1 हमारी भाषा
Our Language

चित्र में बच्चा अपनी बात समझाने का प्रयास कर रहा है कि उसे क्या चाहिए। वह इशारा भी करता है और भाषा का सहारा भी लेता है। मेले में दूसरे लोग भी किसी न किसी बात की चर्चा कर रहे हैं। कोई बोल रहा है तो कोई सुन रहा है। बोली गई बात और सुनकर समझी गई बात ही तो भाषा है।

भावों या विचारों के आदान-प्रदान के साधन को भाषा कहते हैं।

भाषा को लिखा भी जा सकता है और लिखे हुए को पढ़कर समझा भी जा सकता है। इस प्रकार—

भाषा के दो रूप हैं— 1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा

1. **मौखिक भाषा—** जब अपने विचार बोलकर प्रकट किए जाते हैं और दूसरे के विचार सुनकर समझे जाते हैं, तो भाषा का यह रूप **मौखिक भाषा** कहलाता है। फ़ोन पर बात करना, गीत गाना या सुनना, भाषण देना आदि मौखिक भाषा के रूप हैं।

Scanned with CamScanner

2. **लिखित भाषा—** जब अपने विचार लिखकर प्रकट किए जाते हैं और दूसरे के विचार पढ़कर समझे जाते हैं, तो भाषा का यह रूप **लिखित भाषा** कहलाता है। समाचार-पत्र, किताबें, पत्र आदि लिखित भाषा के रूप हैं।

कभी-कभी हम संकेतों या इशारों से भी अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं; जैसे— इधर आओ (हाथ के संकेत से), चुप रहो (मुँह पर उँगली रखकर) आदि। सड़क पर चलते समय भी आपने कुछ संकेत देखे होंगे; जैसे—

यू टर्न न लें

ज़ेब्रा क्रॉसिंग

गाड़ी पार्क न करें

ये संकेत यातायात-व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन संकेतों को भाषा नहीं कह सकते।

बोली— सीमित क्षेत्र में बोली जानेवाली भाषा को **बोली** कहते हैं। प्रायः बोली का लिखित रूप नहीं होता। हरियाणवी, बुंदेली, राजस्थानी, बघेली, गढ़वाली आदि प्रचलित बोलियाँ हैं।

मातृभाषा— बच्चा जो भाषा अपने माता-पिता से तथा घर में अन्य सदस्यों से सर्वप्रथम सीखता है, वह उसकी **मातृभाषा** कहलाती है। हमारे देश में प्रत्येक प्रदेश की अपनी अलग भाषा है इसलिए अलग-अलग राज्यों की मातृभाषा भी अलग होती है।

राष्ट्रभाषा— देश के अधिकांश निवासियों द्वारा जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, वह **राष्ट्रभाषा** कहलाती है। प्रत्येक राष्ट्र की अपनी राष्ट्रभाषा होती है; जैसे— फ्रांस की फ्रांसीसी, पुर्तगाल की पुर्तगाली आदि।

राजभाषा— देश के सरकारी कार्यालयों में काम-काज के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, वह **राजभाषा** कहलाती है। हमारी राजभाषा हिंदी है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी राजभाषा घोषित की गई थी।

भारत की प्रमुख भाषाएँ

भारतीय संविधान में विभिन्न प्रदेशों की इन 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है—

असमिया, ओड़िआ, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, डोगरी, तमिल, तेलुगु, नेपाली, पंजाबी, बांग्ला, बोडो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी

Scanned with CamScanner

विश्व की प्रमुख भाषाएँ

विश्व में अनेक भाषाएँ पढ़ी और लिखी जाती हैं। विश्व के अधिकांश देशों में अंग्रेज़ी भाषा बोली और पढ़ी जाती है, इसलिए अंग्रेज़ी को **अंतरराष्ट्रीय भाषा** कहते हैं। कुछ देशों की प्रमुख भाषाएँ इस प्रकार हैं—

देश	भाषा	देश	भाषा
जापान	जापानी	फ्रांस	फ्रेंच/फ्रांसीसी
रूस	रूसी	भारत	हिंदी
चीन	चीनी	जर्मनी	जर्मन
इंगलैंड	अंग्रेज़ी	स्पेन	स्पेनिश

लिपि

किसी भी भाषा को लिखने के लिए कुछ चिह्न बना लिए गए हैं, जिन्हें **लिपि** कहते हैं। लिपि के माध्यम से ही हम अपनी बात को लिखकर कह सकते हैं। इस प्रकार—

भाषा की प्रत्येक ध्वनि के लिए अलग चिह्न होता है। इन चिह्नों के लिखे हुए रूप को ही लिपि कहा जाता है।

प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है; जैसे—

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	उर्दू	फ़ारसी
अंग्रेज़ी	रोमन	पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी		

हिंदी के अतिरिक्त मराठी, गुजराती और नेपाली भाषा भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

व्याकरण

भाषा के बोलने, पढ़ने और लिखने में व्यवस्था का होना बहुत ज़रूरी है। भाषा की व्यवस्था के लिए नियम बनाता है— **व्याकरण**। इस प्रकार —

व्याकरण वह साधन है जिसके माध्यम से हम किसी भी भाषा को शुद्ध रूप में पढ़ने, लिखने और समझने का ज्ञान प्राप्त करते हैं।

Scanned with CamScanner

हम जान गए

- भाषा के माध्यम से हम अपने विचार एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं।

भाषा के रूप

मौखिक — लिखित

- परिवार से सीखी गई भाषा मातृभाषा कहलाती है।
- देश के अधिकांश निवासियों द्वारा प्रयोग की जानेवाली भाषा राष्ट्रभाषा कहलाती है।
- देश के सरकारी कार्यालयों के काम-काज की भाषा राजभाषा कहलाती है। हमारी राजभाषा हिंदी है।
- भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।
- व्याकरण हमें बताता है कि भाषा का कौन-सा रूप शुद्ध है।

अब आपकी बारी

पहचान और प्रयोग पर आधारि

❀ बोलिए

आपको कौन-कौन-सी भाषाएँ आती हैं? बताइए।

❀ लिखिए

1. रिक्त स्थान भरकर वाक्य पूरे कीजिए—

i. भावों या विचारों के आदान-प्रदान के साधन को ..... कहते हैं।

ii. भारतीय संविधान में ..... भाषाओं को मान्यता दी गई है।

iii. समाचार-पत्र भाषा का ..... रूप है।

iv. संस्कृत की लिपि ..... है।

v. हिंदी ..... को राजभाषा घोषित की गई।

vi. भाषा को ..... व्यवस्थित करता है।

Scanned with CamScanner

2 वर्ण
Phonology

चार्ट पर कुछ 'वर्ण' लिखे हैं। 'ध्वनि' या 'वर्ण' भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है। इन्हीं के मेल से शब्दों का निर्माण होता है।

वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्णों को दो भागों में विभाजित किया गया है— स्वर और व्यंजन

स्वर

जिनके उच्चारण में हवा बिना किसी रुकावट के मुख से बाहर आती है, वे **स्वर** कहलाते हैं; जैसे— **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, ऑ।**

स्वर के दो भेद हैं—

1. **ह्रस्व स्वर** — इनके उच्चारण में कम समय लगता है। अ, इ, उ और ऋ ह्रस्व स्वर हैं।
2. **दीर्घ स्वर** — इनके उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से दोगुना समय लगता है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ ओ, औ और ऑ दीर्घ स्वर हैं।

यह भी जानें...

भाषा के निरंतर विकास होते रहने पर ही भाषा जीवित रहती है और भाषा का विकास तभी होता है जब वह अन्य भाषाओं, बोलियों आदि के शब्दों को अपने में समाहित करती है। इसी गुण के कारण हमारी भाषा हिंदी निरंतर विकास की सीढ़ियाँ चढ़ती चली जा रही है; जैसे— अंग्रेज़ी का 'ऑ' स्वर हिंदी ने अपना लिया है—बॉल, कॉफ़ी, हॉल आदि।

अनुनासिक	— अँ (चंद्रबिंदु)	हँसी, चाँद
अनुस्वार	— अं (बिंदु)	बंदर, मंदिर
विसर्ग	— अः (विसर्ग)	अतः, पुनः, प्रातःकाल

'अं' (अनुस्वार) और अः (विसर्ग) को अयोगवाह कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

स्वरों के मात्रा-चिह्न और प्रयोग

स्वर	मात्रा-चिह्न	मात्रा-रहित व्यंजन	प्रयोग का तरीका	उदाहरण
अ	कोई मात्रा नहीं	क्	'अ' के जुड़ने पर हलंत हटा देते हैं।	क
आ	ा	क् + आ	व्यंजन के बाद	का
इ	ि	क् + इ	व्यंजन से पहले	कि
ई	ी	क् + ई	व्यंजन के बाद	की
उ	ु	क् + उ	व्यंजन के नीचे	कु
ऊ	ू	क् + ऊ	व्यंजन के नीचे	कू
ऋ	ृ	क् + ऋ	व्यंजन के नीचे	कृ
ए	े	क् + ए	व्यंजन के ऊपर	के
ऐ	ै	क् + ऐ	व्यंजन के ऊपर	कै
ओ	ो	क् + ओ	व्यंजन के बाद	को
औ	ौ	क् + औ	व्यंजन के बाद	कौ

अनुस्वार (अं), अनुनासिक (अँ), विसर्ग (अः) और 'ऑ' भी व्यंजन के साथ मात्रा (चिह्न) के रूप में प्रयुक्त होते हैं; जैसे—

अं ं → क् + अं → व्यंजन के ऊपर → कं

अँ ँ → क् + अँ → व्यंजन के ऊपर → कँ

अः ः → क् + अः → व्यंजन के बाद → कः

ऑ ॅ → क् + ऑ → व्यंजन के बाद → कॉ

यह भी जानें...

क् के नीचे लगा चिह्न हलंत है। इसका अर्थ है कि यह अ-रहित है। क, ख आदि व्यंजनों का अर्थ है कि ये क् + अ, ख् + अ आदि हैं अर्थात अ-सहित हैं। हिंदी की वर्णमाला अ-सहित ही बोली जाती है; जैसे— क ख ग घ ङ आदि।

◆ **र् में उ और ऊ की मात्रा** नीचे नहीं, मध्य में लगती है।

र् + उ = रु — रुपया, र् + ऊ = रू — रूप

Scanned with CamScanner

व्यंजन

जो वर्ण स्वर की सहायता से बोले जाते हैं और जिनके उच्चारण में हवा मुँह में कहीं न कहीं टकराकर बाहर निकलती है, वे **व्यंजन** कहलाते हैं।

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	

ड़ ढ़

क्ष त्र ज्ञ श्र

- ऑ की तरह ज़ और फ़ भी आगत ध्वनियाँ हैं। ये अरबी-फ़ारसी भाषा से ली गई हैं।

संयुक्त व्यंजन

हिंदी वर्णमाला में 'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ' और 'श्र' **संयुक्त व्यंजन** हैं। संयुक्त व्यंजन इस प्रकार बनते हैं—

क् + ष	—	**क्ष**	— क्षमा, पक्ष	ज् + ञ	—	**ज्ञ**	— ज्ञान, प्रतिज्ञा
त् + र	—	**त्र**	— पत्र, सत्र	श् + र	—	**श्र**	— श्रीमान, श्रेय

जब दो अलग-अलग व्यंजन एक साथ आते हैं तो भी संयुक्त व्यंजन बनते हैं। इसमें पहला व्यंजन अ रहित होता है, जबकि दूसरा व्यंजन 'अ' या किसी अन्य स्वर सहित होता है; जैसे—

द् + ध	—	**द्ध**	— बुद्धि, शुद्ध	क् + त	—	**क्त**	— शक्ति, रक्त
त् + य	—	**त्य**	— त्याग, सत्य	स् + थ	—	**स्थ**	— स्थान, स्थल

द्वित्व व्यंजन

जब दो समान व्यंजन इस प्रकार जुड़ें कि उनमें पहला व्यंजन स्वर रहित और दूसरा व्यंजन स्वर सहित हो तो **द्वित्व व्यंजन** कहलाते हैं; जैसे—

ग् + ग	—	**ग्ग**	— दिग्गज, चुग्गा	ल् + ल	—	**ल्ल**	— गोरिल्ला, हल्ला
स् + स	—	**स्स**	— रस्सी, लस्सी	द् + द	—	**द्द**	— कद्दू, गद्दा

Scanned with CamScanner

'र्' के चार रूप—

(i) स्वर सहित र अपने स्वतंत्र रूप में लिखा जाता है;
र् + अ = र — कमर, रटना, भारत आदि।

(ii) जब र् दूसरे वर्ण से जुड़ता है, तो उसकी शिरोरेखा के ऊपर (ˉ) आ जाता है—
र् + य = र्य — सूर्य, कार्य   र् + म = र्म — निर्मल

(iii) जब स्वर रहित अन्य वर्ण र में जुड़ता है, तब 'र' उसके नीचे आ जाता है—
भ् + र = भ्र — भ्रम   प् + र = प्र — प्रणाम

(iv) ट् और ड् व्यंजन र में इस प्रकार जुड़ते हैं—
ट् + र = ट्र — राष्ट्र   ड् + र = ड्र — ड्रम

वर्ण-विच्छेद

शब्द में शामिल सभी वर्णों को क्रम से अलग-अलग लिखना **वर्ण-विच्छेद** कहलाता है; जैसे—

किताब — क् + इ + त् + आ + ब् + अ
बंदर — ब् + अं + द् + अ + र् + अ
समूह — स् + अ + म् + ऊ + ह् + अ
ड्रम — ड् + र् + अ + म् + अ

शब्दों का शुद्ध लेखन

हम लिखते समय कुछ गलतियाँ कर बैठते हैं। ये अशुद्धियाँ प्रायः गलत उच्चारण के कारण ही होती हैं।

कुछ उदाहरण नीचे दिए जा रहे हैं—

अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप	अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप
विधार्थी	विद्यार्थी	दवाईयाँ	दवाइयाँ
परिक्षा	परीक्षा	उदारहण	उदाहरण
कियोंकि	क्योंकि	क्रपा	कृपा
रितु	ऋतु	ग्यात	ज्ञात
प्रदर्शिनी	प्रदर्शनी	चिन्ह	चिह्न
बिमारी	बीमारी	घन्टा	घंटा
कवी	कवि	रविंद्र	रवींद्र
प्रतिक्षा	प्रतीक्षा	छमा	क्षमा

Scanned with CamScanner

हम जान गए

- वर्ण दो प्रकार के होते हैं—

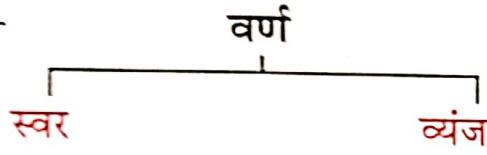

- स्वर के उच्चारण में हवा बिना किसी रुकावट के बाहर आती है।
- स्वर के दो प्रकार होते हैं—

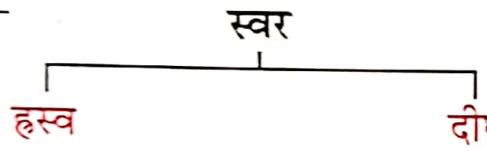

- व्यंजन के उच्चारण में हवा मुँह में टकराकर बाहर निकलती है।
- शब्द में शामिल सभी वर्णों को अलग करना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।

अब आपकी बारी

पहचान और प्रयोग पर आधारित

बोलिए

1. वर्णमाला से आप क्या समझते हैं?
2. स्वरों का उच्चारण करके बताइए कि कौन-से स्वर में कम समय लगता है औ कौन-से में अधिक।

लिखिए

1. वाक्यों में सही ✓ या गलत ✗ का चिह्न लगाइए—
   i. स्वर के उच्चारण में हवा बिना किसी रुकावट के बाहर आती है। ✓
   ii. व्यंजन के उच्चारण के लिए स्वर की आवश्यकता नहीं होती।
   iii. 'र' में भी उ की मात्रा अन्य व्यंजनों की भाँति नीचे लगती है।
   iv. वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

2. इनसे तीन-तीन शब्द बनाइए—

क्ष	.....क्षमा.....	.....	.....
त्र	.....	.....	.....
ज्ञ	.....	.....	.....
श्र	.....	.....	.....

Scanned with CamScanner